प्रश्न 02. अध्यापक की अपनी समस्याएँ/चुनौतियाँ एवं उन्हें दूर करने के उपाय। अध्यापक की भूमिका को स्पष्ट करें।

Q 02. Describe Own challenges of a Teacher and clarify the role of the Teacher to remove the above challenges.

उत्तर → I अध्यापक की अपनी समस्याएँ/चुनौतियाँ :-
(Own challenges of a Teacher)

अध्यापक के व्यवहार एवं व्यक्तित्व के साथ सम्बंधित समस्याएँ/चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं :-

(1) ज्ञान तथा तैयारी का अभाव (Lack of knowledge and preparation) :- अध्यापक में ज्ञान का अभाव कक्षा में कई समस्याओं का कारण बनता है। यदि उस ज्ञान आधुनिकतम नहीं है तो वह प्रभावशाली ढंग से नहीं पढ़ा सकेगा। इसी प्रकार वह पूरी तैयारी के साथ कक्षा में नहीं आता तो उसके शिक्षण में आत्म-विश्वास का अभाव रहेगा। परिणामस्वरूप विद्यार्थी कक्षा में अनुशासनहीनता पैदा करेंगे।

(2) अध्यापक के व्यक्तित्व से संबंधित समस्याएँ :-
(Problems concerning personality of the Teacher)

अध्यापक का व्यक्तित्व एवं उसकी समस्याएँ आपस में जुड़ी हुई हैं। अध्यापक का व्यक्तित्व कक्षा में कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

(3) कठोर व्यवहार (Rigid attitude) :-
अध्यापक का कठोर व्यवहार कई नवीन समस्याओं को जन्म देती है। विद्यार्थियों की मूल-प्रवृत्तियों तथा सकारात्मक एवं रचनात्मक शक्तियों और शारीरिक क्रियाओं का कठोर दमन विद्यार्थियों में तनाव, बेचैनी, घबराहट, डर आदि पैदा करके उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

Scanned with CamScanner

(4) समस्यापूर्ण व्यवहार (Problematic behaviour):-

समस्यापूर्ण विद्यार्थी कई प्रकार के व्यवहारिक विकारों से पीड़ित होते हैं। समस्यापूर्ण व्यवहार के महत्वपूर्ण लक्षण ध्यानाकर्षण, तंग करना अत्यधिक अरुचि या उदासीनता, आक्रमणशीलता, चोरी करना, अनुशासन के विरुद्ध विद्रोह, काम से मन चुराना, दमित व्यवहार, बकवाद आदि। अध्यापक के असानुभूतिहीन एवं कठोर व्यवहार के कारण विद्यार्थियों में इस प्रकार का समस्यापूर्ण व्यवहार उत्पन्न हो सकता है। कक्षा में कठोर अनुशासन, अरुचिकर शिक्षण विधियाँ, विद्यार्थियों की भीड़, विद्यार्थियों के प्रति अमनोवैज्ञानिक व्यवहार, पक्षपात सहायक क्रियाओं का अभाव एवं निर्देशन कार्यक्रम आदि के कारण विद्यार्थियों में समस्यापूर्ण व्यवहार उत्पन्न हो सकते हैं।

Scanned with CamScanner

(3)

(5) विद्यार्थियों के प्रश्न (Questions of Students):

कई अध्यापक विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों को समझ नहीं पाते हैं। अज्ञानता तथा अनुभव की कमी के कारण वे प्रश्नों को अनावश्यक व बेसमझ मानते हैं। उनमें विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देने की योग्यता नहीं होती। कई अध्यापकों का विश्वास है कि विद्यार्थियों के प्रश्न पूछने से अनुशासन भंग होता है इसलिए विद्यार्थियों के प्रश्नों को वे समस्या समझते हैं। कई बार विद्यार्थी सेक्स, अपराध, हिंसा आदि पर विविध प्रश्न पूछते हैं। ऐसे प्रश्नों का उत्तर देना अध्यापक के लिए समस्या बन जाती है। परिणामस्वरूप उसमें हीनभावना का विकास हो सकता है।

(6) ब्लैकबोर्ड की समस्याएँ (blackboard problems):

कई कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड नहीं होता। अधिकांश कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड पर पालिश नहीं होती। कई बार डस्टर आदि साफ नहीं होते। कई बार ब्लैकबोर्ड पर लिखा हुआ साफ पढ़ा नहीं जाता या फिर दिखाई नहीं देता।

(7) शिक्षण के सहायता साधनों एवं विज्ञान उपकरणों की समस्या :- (Problem of teaching aids and science apparatus) :-

अच्छे शिक्षण के लिए सहायक साधन अत्यन्त आवश्यक होते हैं। इन साधनों के अभाव में यहाँ कई समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। अधिकांश विद्यालयों में चार्ट, नक्शे, मॉडल आदि होते ही नहीं। कई विद्यालयों में ये साधन तथा विज्ञान उपकरण हैं भी तो उचित रख-रखाव के अभाव में काम नहीं होते।

(8) अध्यापक की निपुणता का अभाव —
Lack of Control of Teacher's

(9) अध्यापक और विद्यार्थी के व्यक्तिगत में संघर्ष
या व्यक्तित्व का टकराव :
(Personality clashes between teacher and
Student and Student's misbehaviour.)

(10) अलोकतांत्रिक नियम के विरुद्ध विद्यार्थियों का
विरोध (Student's revolt against
democratic procedure)